हिंदी भाषाकेव्याकरण के रचना पक्ष का ज्ञान, संप्रेषण कौशल, सामाजिकसंदेश एवं भाषायी दक्षता की दृष्टि तथा नई शिक्षा नीति के उद्देश्य को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

बी.ए./ बी.एस-सी./ बी.कॉम./ बी.एच.एस.सी. भाग- दो

(आधार पाठ्यक्रम)

प्रथम प्रश्नपत्र

हिंदी भाषा

कोड....

पूर्णांक 75

क्रेडिट 05

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:-

(1)गद्य विधाओंसे अवगत कराना एवं निबंध कौशल सिखाना।

(2)कार्यालयीन हिंदी का ज्ञान प्रदान करना ।

(3)हिंदी व्याकरण का समग्र ज्ञान प्रदान करना ।

(4)हिंदी भाषा में प्रचलित विभिन्न शब्द रूपों से परिचित कराना।

पाठ्य विषय:-

इकाई1. (क) नाखून क्यों बढ़ते हैं?: हजारी प्रसाद द्विवेदी (ख) कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा,मशीनी भाषा	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 2. (क)युवकों का समाज में स्थान : आचार्य नरेंद्र देव (ख) हिंदी के तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द-परिचय,	अंक 15 18 कालखंड

23.2.23

23-2-2023

23/2/23

23/2/23

संज्ञा, सर्वनाम,	
इकाई 3 (क)डॉ खूबचंद बघेल : हरि ठाकुर (ख)कारक, विशेषण, क्रिया विशेषण	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 4 (क) एक पहाड़ीमैना की मौत : डॉ. कांति कुमार जैन (ख) समास, संधि	अंक 15 18 कालखंड
इकाई 5 (क) मातृभूमि : वासुदेव शरण अग्रवाल (ख)अनुवाद - परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद	अंक 15 18 कालखंड

मूल्यांकन योजना:-

प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे। प्रत्येक प्रश्न के दो भाग 'क' और 'ख' होंगे एवं अंक क्रमश: 08 एवं 07 होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 75 निर्धारित है।प्रश्नपत्रकेपूर्णांककादसप्रतिशतअंकआंतरिकमूल्यांकनकेलिएनिर्धारितहै।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:-

1. गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित हो सकेंगे एवंउनमेंसाहित्यिक रूझान पैदा होगा।
2. हिंदी के आधारभूत व्याकरणिक अवधारणाओं से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे। उनमें रचनात्मकताएवं भाषाकौशल का विकास होगा।
3. विभिन्नप्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में यह पाठ्यक्रम सहायक होगा।

पाठ्यक्रम निर्माण का औचित्य :-

सुप्रसिद्ध विद्वानों के लेख/निबंध/संस्मरण के माध्यम से विद्यार्थियों के चिंतनपरक दृष्टिकोण एवं व्यक्तित्व का विकास करते हुए उन्हें व्याकरणिक एवं भाषा-प्रयोग विषयक पक्ष से परिचित कराते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से तैयार करने की दिशा में यह पाठ्यक्रम उपयोगी रहेगा।

23/2/23 23/2/23 23.2.2023 23/2/23

आधार पाठ्यक्रम

हिन्दी भाषा

प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक - 75

(बी.ए., बी.एस.सी., बी.एच.एस-सी., बी.काम., तृतीय वर्ष के पुनरीक्षित एकीकृत आधार पाठ्यक्रम एवं पाठ्य सामग्री का संयोजन 2000-2001 से लागू है)

॥ सम्प्रेषण कौशल, हिन्दी भाषा और सामान्य ज्ञान ॥

आधार पाठ्यक्रम की संरचना और अनिवार्य पाठ्य पुस्तक- हिन्दी भाषा एवं समसामयिकी- का संयोजन इस तरह किया गया है कि सामान्य ज्ञान की विषय वस्तु- विकासशील देशों की समस्याओं- के माध्यम और साथ-साथ हिन्दी भाषा का ज्ञान और उसमें सम्प्रेषण कौशल अर्जित किया जा सके। इसी प्रयोजन से व्याकरण की अन्तर्वस्तु को विविध विधाओं की संकलित रचनाओं और सामान्य ज्ञान की पाठ्य सामग्री के साथ अन्तर्गुम्फित किया गया है। अध्ययन-अध्यापन के लिए पूरी पुस्तक की पाठ्य सामग्री है और अभ्यास के लिये विस्तृत प्रश्नावली है। यह प्रश्नपत्र भाषा का है अत: पाठ्य सामग्री का व्याख्यात्मक या आलोचनात्मक अध्ययन अपेक्षित नहीं है। पाठ्यक्रम और पाठ्य सामग्री का संयोजन निम्नलिखित पाँच इकाइयों में किया जाता है। प्रत्येक इकाई को दो भागों में विभक्त किया गया है।

इकाई - 1 (क) भारत माता : सुमित्रानंदन पंत, परशुराम की प्रतीज्ञा : रामधारी सिंह दिनकर, बहुत बड़ा सवाल : मोहन राकेश, संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण : योगेश अटल।

(ख) कथन की शैलियाँ : रचनागत उदाहरण और प्रयोग।

इकाई -2 (क) विकासशील देशों की समस्यायें, विकासात्मक पुनर्विचार, और प्रौद्योगिकी एवं नगरीकरण।

(ख) विभिन्न संरचनाएँ।

इकाई - 3 (क) आधुनिक तकनीकी सभ्यता, पर्यावरण प्रदूषण तथा धारणीय विकास।

(ख) कार्यालयीन पत्र और आलेख।

इकाई - 4 (क) जनसंख्या : भारत के संदर्भ में और गरीबी तथा बेरोजगारी।

(ख) अनुवाद।

इकाई - 5 (क) ऊर्जा और शक्तिमानता का अर्थशास्त्र।

(ख) घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन और विभिन्न प्रकार के निमंत्रण-पत्र।

मूल्यांक योजना : प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे। प्रत्येक इकाई दो-दो खंड (क्रमश: 'क' और 'ख' में) विभक्त है, इसलिए प्रत्येक प्रश्न के भी दो भाग, (क्रमश: 'क' और 'ख') होंगे। 'क' अर्थात पाठ एवं सामान्य ज्ञान से संबद्ध प्रश्न के अंक 8 एवं 'ख' अर्थात भाषा एवं सम्प्रेषण कौशल से संबद्ध प्रश्न के अंक 7 होंगे। इस प्रकार पूरे प्रश्न पत्र के पूर्णांक 75 होंगे।

Scanned with CamScanner